>

Title: Need to rename Gadar Express train running between Jhansi and Kanpur as 'Maharani Laxmi Bai Express' instead of Pratham Swatantrata Sangram Express.

श्री राजनारायन बुधौलिया (हमीरपुर, उ0प्र0) : सभापति महोदय, दिनांक 23.08.07 और 30.08.07 को माननीय रेल मंत्री लालू प्रसाद जी ने रेल की अनुदानों की मांगों पर चर्चा के दौरान सदन में बैरकपुर से कानपुर-झांसी के बीच चलने वाली गदर एक्सप्रेस का नाम स्वतंत्रता संग्राम की 150वीं वर्षगांठ को यादगार बनाने के लिये प्रथम स्वतंत्रता संग्राम एक्सप्रेस करने की घोषणा की है।

मैं माननीय रेल मंत्री जी को इस बात के लिये धन्यवाद देना चाहता हूं कि उन्होंने स्वतंत्रता की लड़ाई लड़ने वालों के लिये सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित करेन का काम किया है लेकिन मैं समझता हूं कि बुंदेलखंड क्षेत्र के सभी सांसदों एवं उपस्थित सदन के सदस्यों की मांग यह होनी चाहिये कि गदर एक्सप्रेस चूंकि झांसी तक चलाई जा रही है, जहां की प्रात: स्मरणीय वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई ने 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की लड़ाई में देश की खातिर अपने प्राणों की आहुति अंग्रेजों से लड़ते हुये दी थी जिनके बारे में कहा जाता है कि -

बुंदेले हर बोलो के मुंह हमने सुनी कहानी थी ।

खूब लड़ी मर्दानी वह तो झांसी वाली रानी थी।।

इसलिये, सभापति महोदय, बुंदेलखंड की जनता की भावनाओं का आदर करते हुये आपके माध्यम से मेरी माननीय रेल मंत्री जी से यही प्रार्थना है कि गदर एक्सप्रेस/प्रथम स्वतंत्रता संग्राम एक्सप्रेस के नाम में परिवर्तन कर पुन: संशोधन करते हुये इस ट्रेन का नाम "वीरांगना लक्ष्मीबाई एक्सप्रेस" करने की अवश्य कृपा करें। यही महारानी लक्ष्मीबाई के प्रति स्वतंत्रता की 150वीं वर्षगांठ के अवसर पर सच्ची श्रद्धांजलि होगी। साथ ही मेरी यह भी मांग है कि उनकी प्रतिमा अन्य महापुरुषों की तरह संसद भवन परिसर में स्थापित हो।

श्री शैलेन्द्र कुमार : सभापति जी, मैं भी अपने आपको श्री बुधौलिया की मांग से सम्बद्ध करता हूं।

श्री भानु प्रताप सिंह वर्मा (जालौन) : सभापति जी, मैं भी अपने आपको श्री बुधौलिया की मांग से सम्बद्ध

करता हूं।